NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6TH SANSKRIT : CHAPTER 9

9 अङ्गुलीयकं प्राप्तम्

(अँगूठी प्राप्त हुई।)

(पञ्चमी-षष्ठी विभक्ति 'से')

पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

इस पाठ में अकारांत शब्द के पञ्चमी तथा षष्ठी विभक्ति के रूप का प्रयोग किया गया है।

(*i*) पञ्चमी विभक्ति 'से' (अलग) के अर्थ में प्रयुक्त होती है

यथा– वृक्षात् (वृक्षात् = वृक्ष से–from the tree) पत्रं पतति।

(*ii*) षष्ठी का प्रयोग 'का, के, की' के अर्थ में होता है।

यथा– वृक्षस्य (वृक्षस्य = वृक्ष का–of the tree) फलम् मधुरम्।

पाठ - शब्दार्थ एवं सरलार्थ

(क) (*ततः प्रविशन्ति नागरिकः श्यालः बुद्धं पुरुषम् आदाय रक्षकौ* च)

रक्षकौ – (*ताडनस्य अभिनयं कृत्वा*) अरे कुम्भीलक! कथय, कुत्र त्वया एतत् राजकीयम् अङ्गुलीयकं प्राप्तम्? एतस्मिन् तु राज्ञः नाम उत्कीर्णं विद्यते।

बद्धपुरुषः – (*भयस्य अभिनयं कृत्वा*) भवन्तः प्रसीदंतु। अहं न ईदृशः कर्मकरः।

जानुकः – किं शोभनः ब्राह्मणः इति मत्वा राजा तुभ्यं दानं दत्तवान्?

शब्दार्थाः (Word Meanings) : ततः–उसके बाद (after that), **श्यालः**–(राजा का) साला, brother in law (king's), **बुद्धम्**–बंधे हुए को (bound/chained), **आदाय**–लेकर (taking), **रक्षकौ**–दो सिपाही (two guards), **ताडनस्य**–पीटने का (of beating), **कृत्वा**–करके (doing/having done), **कुम्भीलक**–गाली सूचक शब्द (abusive word), **कथय**–कहो (tell), **राजकीयम्**–राजा की/राजकीय (royal), **उत्कीर्ण**–खुदा हुआ (inscribed), **विद्यते**–है (is), **भवन्तः**–आप लोग (you people), **प्रसीदन्तु**–प्रसन्न होइए (please), **ईदृशः**–ऐसा (of this kind/type), **कर्मकरः**–काम करने वाला (worker), **मत्वा**–मानकर, सोचकर (thinking), **दत्तवान्**–दिया (gave)।

सरलार्थ :

(तब प्रवेश करते हैं–नागरिक, राजा का साला और बँधे हुए पुरुष को लेकर दो सिपाही।)

सिपाही – (*पीटने का अभिनय करके*) अरे नीच! बोलो कहाँ मिली तुम्हें यह राजा की अँगूठी। इस पर तो राजा का नाम खुदा हुआ है।

बुद्धपुरुष – (*भय का अभिनय करके*) आप लोग प्रसन्न होइए। मैं इस प्रकार का काम करने वाला नहीं हूँ।

LearnCBSE.in

जानुक – क्या एक अच्छा ब्राह्मण समझकर राजा ने तुम्हें दान दे दिया?

English Translation:

Then enter the brother in law of the king—the chief of police and two guards leading a person tied in chain.

Guard – (Acting as though beating) O pickpocket, tell us where did you find the royal ring? (Where was the royal ring found by you?) The king's name is also engraved on this.

Person – (Acting as though afraid) Please sir, I am not such a worker.

Januka – Did the king give it to you thinking you an excellent Brahmin.

(ख) **बुद्धपुरुषः** – शृणुत इदानीम्। अहं शक्रावतारस्य तीर्थस्य निवासी धीवरः अस्मि।

सूचकः – धूर्त! किम् अस्माभिः तव जातिः पृष्टा?

श्यालः – सूचक! सर्वं क्रमेण कथयतु। एनं मध्ये मा निवारय।

रक्षकौ – यथा भवान् आज्ञापयति।

बुद्धपुरुषः – अहं मत्सविक्रयेण कुटुम्बस्य भरणं करोमि।

श्यालः – (*विहस्य*) विशुद्धं तव आजीविकायाः साधनम्।

शब्दार्थाः (Word Meanings) : शृणुत–सुनो (तुम लोग) (listen), **इदानीम्**–अब (now), **तीर्थस्य**–तीर्थ का (of tirtha, a holy place), **धीवरः**–मछुआरा (fisherman), **अस्मि**–हूँ (am), **धूर्तः**–धूर्त (wicked), **अस्माभिः**–हमारे द्वारा (by us), **पृष्टा**–पूछी गई, (asked), **क्रमेण**–क्रम से (in order), **कथयतु**–कहने दो (let him say), **मा निवारय**–मत रोको (dont stop), **आज्ञापयति**–आज्ञा देता है (to order), **मत्स्यविक्रयेण**–मछली बेचने से (by selling fish), **कुटुम्बस्य**–परिवार का (of the family), **भरणं करोमि**–पालन पोषण करता हूँ (to nurture), **विहस्य**–मुस्कुराकर (smiling), **आजीविकायाः**–आजीविका का (of livelihood)।

सरलार्थ :

बुद्धपुरुष – अब सुनो, मैं शक्रावतार तीर्थ का निवासी मछुआरा हूँ।

सूचक – धूर्त (मूर्ख), क्या हमने तुम्हारी जाति पूछी? (क्या हमारे द्वारा तुम्हारी जाति पूछी गई?)

राजा का साला– सूचक, इसे सब कुछ क्रम से कहने दो। इसे बीच में मत रोको।

सिपाही – जैसी आपकी आज्ञा। (जैसे आप आज्ञा करते हैं)

बुद्धपुरुष – मैं मछली बेचकर परिवार का पालन पोषण करता हूँ।

राजा का साला– (थोड़ा हँसकर) तुम्हारी आजीविका का साधन तो बिलकुल शुद्ध है।

English Translation:

Person – Now listen. I am a resident fisherman of Shakravatar Tirtha.

Suchaka – You fool, did we ask you your social status? (Was your social status asked by us?)

LearnCBSE.in

Brother in law (King's)– Suchaka, let him tell everything in the order. Do not stop him in the middle.

Guards – As you command.

Person – I look after (nurture) my family by selling fish.

Brother in law (King's)– (Smiling) Your means of livelihood is really clean.

(ग) **बुद्धपुरुषः** – एकस्मिन् दिवसे मया रोहितमत्स्यः खण्डशः कृतः। तस्य उदरस्य अभ्यंतरे मया इदं रत्नशोभितम् अङ्गुलीयकं प्राप्तम्। अयम् अस्य आगमवृत्तान्तः। पश्चात् तस्य विक्रयाय आगतः अहम् आभ्यां गृहीतः। इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुञ्चत वा।

श्यालः – जानुक! अस्य शरीरात् मांसस्य गंधः निःसरति। अतः निःसंशयम् अयं मत्स्यमारकः एव। परंतु अस्य अङ्गुलीयकं प्राप्तिः विचारणीया। राजकुलं गच्छामः। तत्रैव अस्य निर्णयः भविष्यति।

शब्दार्थाः (Word Meanings) : एकस्मिन् दिवसे–एक दिन (one day), **रोहितमत्स्यः** रोहित मछली Rohit fish (species of a fish), **खण्डशः कृतः**–टुकड़े किए (cut into pieces), **उदरस्य**–पेट के (of stomach), **अभ्यन्तरे**–अंदर (inside), **अयम् (पु०)** यह (this), **आगमवृत्तान्तः**–प्राप्ति की सूचना (information of arrival (This is how, I found it)), **विक्रयाय**–बेचने के लिए (for selling), **आगतः**–आया हुआ (having come), **आभ्यां**–इन दोनों के द्वारा (by these two), **इदम् (नपु०) श्रत्वा**–यह सुनकर (hearing this/having heard), **मां मारयत**–मुझे मार डालो (kill me), **मुच्चत वा**–या छोड़ दो (let me go), **शरीरात्**–शरीर से (from the body), **निःसरति**–निकल रही है (is coming out), **विचारणीया**–विचार करने योग्य (needs discussion), **तत्रैव (तत्र + एव)**–वहीं (over there only)।

सरलार्थ :

बुद्धपुरुष – एक दिन मेरे द्वारा एक रोहित मछली के टुकड़े किए गए। उसके पेट के अंदर मेरे द्वारा यह रत्नजड़ित अँगूठी प्राप्त की गई। यह इसके आने की कथा है। बाद में इसे बेचने के लिए मैं यहाँ आया और इन दोनों के द्वारा पकड़ा गया। यह सुनकर (तुम लोग) मुझे मारो या छोड़ दो।

राजा का साला– जानुक, इसके शरीर से मांस की गंध आ रही है। अतः यह बिना किसी संशय के मछली मारने वाला ही है। किंतु इसकी अँगूठी की प्राप्ति विचार करने की बात है। (अर्थात् सोचने की बात यह है कि इसे अँगूठी कैसे मिली) राजकुल चलते हैं। वहीं इसका फैसला होगा।

English Translation:

Person – One day a Rohit fish was cut into pieces by me. Inside its stomach this gem studded ring was found. This is the story of its finding.

LearnCBSE.in

After that I came here to sell it and was captured by these two (guards). Having heard this you may kill me or let me go.

Brother in law (King's)– Januka, the smell of fish is coming from his body. Therefore he is undoubtedly a fish-killer. But his finding/getting the ring is a matter of discussion (probing). We go to the king's court. This matter will be decided only there.

■ **हमने सीखा**

पञ्चमी विभक्ति –	शरीरात्	शरीराभ्याम्	शरीरेभ्यः	– अकारांत
षष्ठी विभक्ति –	शरीरस्य	शरीरयोः	शरीराणाम्	– अकारांत
	मांसस्य	मांसयोः	मांसानाम्	– अकारांत
	आजीविकायाः	आजीविकयोः	आजीविकानाम्	– आकारांत

● अभ्यासः (Exercise) ●

प्रश्नः 1. उच्चारणं कुरुत– (उच्चारण कीजिए– Pronounce these words.)

पञ्चमी-विभक्ति			
पुँल्लिङ्गः	मोदकात्	मोदकाभ्याम्	मोदकेभ्यः
स्त्रीलिङ्गः	मालायाः	मालाभ्याम्	मालाभ्यः
नपुंसकलिङ्गः	चित्रात्	चित्राभ्याम्	चित्रेभ्यः
षष्ठी-विभक्ति			
पुँल्लिङ्गः	नरस्य	नरयोः	नराणाम्
स्त्रीलिङ्गः	छात्रायाः	छात्रयोः	छात्राणाम्
नपुंसकलिङ्गः	पत्रस्य	पत्रयोः	पत्राणाम्

उत्तरम्– छात्र स्वयं उच्चारण करें।

प्रश्नः 2. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत– (निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– Answer the following questions.)

(क) प्रस्तुतपाठस्य कथा कस्मात् ग्रन्थात् उद्धृता?

(ख) अस्याः कथायाः रचयिता कः?

(ग) धीवरः केन उपायेन परिवारस्य भरणं करोति स्म?

(घ) धीवरेण किं प्राप्तम्?

(ङ) शक्रावतारस्य तीर्थस्य निवासी कः आसीत्?

उत्तरम्– (क) प्रस्तुत पाठस्य कथा अभिज्ञान-शाकुंतलम् नाम नाटकात् उद्धृता।

(ख) अस्याः कथायाः रचयिता कवि कालिदासः।

(ग) धीवरः मत्स्यविक्रयेण परिवारस्य भरणं करोति स्म।

(घ) धीवरेण एकं रत्नजटितम् अङ्गुलीकयम् प्राप्तम्।

(ङ) शक्रावतारस्य तीर्थस्य निवासी धीवरः आसीत्।

LearnCBSE.in

प्रश्नः 3. निम्नलिखितेभ्यः पदेभ्यः भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत– (निम्नलिखित पदों से भिन्न प्रकृति का पद चुनिए– Pick out the odd word from those given below.)

(क) विहस्य, भयस्य, शक्रावतारस्य, कुटुम्बस्य।

(ख) दत्तः, राज्ञः, कृतः, गृहीतः।

(ग) प्रविशति, निःसरति, आज्ञापयति, जातिः।

(घ) निवारय, कथय, आदाय, शृणुत।

(ङ) श्रुत्वा, ताडयित्वा, पृष्टा, कृत्वा।

उत्तरम्– (क) विहस्य (ख) राज्ञः (ग) जातिः (घ) आदाय (ङ) पृष्टा।

प्रश्नः 4. कोष्ठकात् उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत– (कोष्ठक से उचित पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए– Fill in the blanks by picking out the appropriate word from the box.)

(क) सुधा .... धनम् आनयति। (कोषात्/कोषेण)

(ख) गङ्गा .... प्रभवति। (हिमालयस्य/हिमालयात्)

(ग) .... आभूषणं विद्या। (नरात्/नरस्य)

(घ) .... जलं निर्मलम्। (अलकनन्दायाः/अलकनन्दया)

(ङ) .... जनसंख्या। (नगरम्/नगरस्य)

उत्तरम्– (क) कोषात्, (ख) हिमालयात्, (ग) नगरस्य, (घ) अलकनन्दायाः, (ङ) नगरस्य।

प्रश्नः 5. अधोलिखितं वृत्तचित्रं पश्यत। उदाहरणानुसारेण कोष्ठकगतैः शब्दैः उचितवाक्यानि रचयत– (निम्नलिखित वृत्तचित्र देखिए और उदाहरणानुसार दिए गए शब्दों से उचित वाक्य बनाइए– Look at the circle given below and frame meaningful sentences with words in boxes as per the example.)

यथा– १. छात्रा वृक्षात् (वृक्ष) फलानि त्रोटयति।

LearnCBSE.in

2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।
6. ....।
7. ....।
8. ....।

उत्तरम्– 2. छात्रा प्राचार्यात् पुरस्कारं प्राप्नोति।
3. छात्रा गृहात् विद्यालयम् आगच्छति।
4. छात्रा पुस्तकालयात् पुस्तकानि आनयति।
5. छात्रा कूपात् जलं नयति।
6. छात्रा आपणात् क्रीडानकानि क्रीणाति।
7. छात्रा शिक्षकात् पुस्तकानि स्वीकरोति।
8. छात्रा वनात् काष्ठानि आनयति।

प्रश्नः 6. चित्राणि दृष्ट्वा कोष्ठकगतशब्देषु उचितां विभक्तिं प्रयुज्य वाक्यानि पूरयत– (चित्रों को देखकर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभक्ति लगाकर वाक्य पूरे कीजिए– Look at the pictures and complete the sentences by adding appropriate case inflexion in the words given in brackets.)

मत्स्याः .... बहिः आगच्छन्ति।
(तडाग)

नृपः .... पतति।
(अश्व)

सर्पः .... निर्गच्छति।
(बिल)

.... जलं पतति।
(मेघ)

.... पत्राणि पतन्ति। (वृक्ष)

उत्तरम्– (क) तडागात्, (ख) अश्वात्, (ग) बिलात्, (घ) मेघात् अथवा मेघेभ्यः, (ङ) वृक्षात्।

अतिरिक्त-अभ्यासः

(1) **नाट्यांशं पठत अधोदत्तान् प्रश्नान् च उत्तरत।** (नाट्यांश पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– Read the extract and answer the following questions.)

एकस्मिन् दिवसे मया रोहितमत्स्यः खण्डशः कृतः। तस्य उदरस्य अभ्यन्तरे मया इदं रत्नशोभितम् अङ्गुलीयकं प्राप्तम्। अयम् अस्य आगमवृत्तान्तः। पश्चात् तस्य विक्रयाय आगतः अहम् आभ्यां गृहीतः। इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुञ्चत वा।

I. एकपदेन उत्तरत–
(i) कः खण्डशः कृतः?
(ii) कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्राप्तम्?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत–
धीवरः कस्य विक्रयाय आगतः?

III. भाषिक-कार्यम्–
पर्यायं चित्वा लिखत। *(i)* बद्धः .... *(ii)* दिने ....

उत्तरम्– **I.** *(i)* रोहितमत्स्यः *(ii)* उदरस्य, **II.** धीवरः रत्नशोभितस्य अङ्गुलीयकस्य विक्रयाय आगतः।, **III.** *(i)* निरुद्धः *(ii)* दिवसे

(2) **नाट्यांशं पठत अधोदत्तान् प्रश्नान् च उत्तरत–** (नाट्यांश पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– Read the extract and answer the following questions.)

श्यालः – जानुक! अस्य शरीरात् मांसस्य गंधः निःसरति। अतः निःसंशयम् अयं मत्स्यमारकः एव। परंतु अस्य अङ्गुलीयक-प्राप्तिः विचारणीया। राजकुलं गच्छामः। तत्रैव अस्य निर्णयः भविष्यति।

I. एकपदेन उत्तरत–
(i) कस्य शरीरात् मांसस्य गंधः निःसरति?
(ii) निःसंशम् अयं कः?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत–

(i) का विचारणीया?

(ii) राजकुले किं भविष्यति?

III. भाषिक-कार्यम्–

1. 'अस्य शरीरात् मांसस्य गंध: नि:सरति' इति वाक्ये क: कर्ता? (अस्य, मांसस्य, गंध:)
2. 'राजकुलं गच्छाम:' अत्र कर्मपदम् किम्?
3. 'तत्रैव' अत्र द्वे अव्ययपदे के? (तत्र, ऐव; तत्र, एव; त, त्रैव)
4. यथानिर्देशं रिक्तस्थानानि पूरयत।

(i)	शरीरात्	.... (द्विवचन)	..............(बहुवचन)
(ii)	गंध:	.... (द्विवचन)	..............(बहुवचन)
(iii)	.... (एकवचन)	.... (द्विवचन)	गच्छाम:।
(iv)	भविष्यति	.... (द्विवचन)	..............(बहुवचन)

5. (i) 'धीवर:' इति पदस्य पर्यायम् चित्वा लिखत। ....

   (ii) विपर्यायम् चित्वा लिखत। 'प्रविशति'। ....

उत्तरम्– **I.** (i) धीवरस्य।

(ii) मत्स्यमारक:

II. (i) धीवरस्य अङ्गुलीयकस्य प्राप्ति: विचारणीया।

(ii) राजकुले सत्यस्य निर्णय: भविष्यति। अथवा धीवर: सत्यं वदति न वा इति अस्य निर्णय: राजकुले भविष्यति।

II. 1. गंध:, 2. राजकुलम्, 3. तत्र, एव

4. यथानिर्देशं रिक्तस्थानानि पूरयत।

(i)	....	शरीराभ्याम्	शरीरेभ्य:
(ii)	....	गंधौ	गन्धा:
(iii)	गच्छामि	गच्छाव:	....
(iv)	....	भविष्यत:	भविष्यन्ति

5. (i) मत्स्यमारक:, (ii) नि:सरति

(3) मञ्जूषाया: सहायतया अनुच्छेदं पूरयत। (मञ्जूषा की सहायता से अनुच्छेद पूरा कीजिए। Complete the paragraph with help from the box.)

श्रुत्वा विक्रयाय, रतनशोभितम्, रोहितमत्स्य:, मुञ्चत, उदरस्य

LearnCBSE.in

एकस्मिन् दिवसे मया .... खण्डश: कृत:। तस्य .... अभ्यंतरे मया इदं .... अङ्गुलीयकं प्राप्तम्। अयम् अस्य आगमवृत्तान्त:। पश्चात् तस्य .... आगत: अहं आभ्याम् गृहीत। इदं .... मां मारयत वा .... वा।

उत्तरम्– रोहितमत्स्य:, उदरस्य, रत्नशोभितम्, विक्रयाय, श्रुत्वा, मुञ्चत।

(4) अधोदत्तान् प्रश्नान् उत्तरत्– (निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– Answer the following questions.)

(i) धीवरेण अङ्गुलीयकम् कुत्र प्राप्तम्?

(ii) धीवर: कस्य निवासी आसीत्?

(iii) धीवर: किमर्थम् अगच्छत्?

(iv) धीवरस्य शरीरात् कस्य गंध: नि:सरति?

(v) धीवर: मत्स्यविक्रयेण किं करोति?

उत्तरम्– (i) धीवरेण मत्स्यस्य उदरस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकम् प्राप्तम्।

(ii) धीवर: शक्रावतारस्य तीर्थस्य निवासी आसीत्।

(iii) धीवर: अङ्गुलीयकस्य विक्रयाय अगच्छत्।

(iv) धीवरस्य शरीरात् मांसस्य गंध: नि:सरति।

(v) धीवर: मत्स्यविक्रयेण कुटुम्बकस्य भरणं करोति।

(5) भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत। (भिन्न प्रकृति का पद चुनिए। Pick out the word belonging to a different category.)

(i) अहम्, मया, तव, इदम्, साधनम्।

(ii) एव, तत्र, अत:, कृत:, न।

(iii) करोमि, नि:सरति, प्राप्ति:, भविष्यति।

उत्तरम्– (i) साधनम्।

(ii) कृत:।

(iii) प्राप्ति:।

बहुविकल्पीयप्रश्ना:

(1) उचितं विकल्पं चित्वा वाक्यपूर्तिं कुरुत। (उचित विकल्प चुनकर वाक्यपूर्ति कीजिए। Pick out the correct option and complete the sentences.)

(क) (i)	.... सदस्या:।	(परिवार:, परिवारेण, परिवारस्य)
(ii)	.... समीपे।	(गृहम्, गृहे, गृहस्य)
(iii)	.... रथ:।	(अर्जुनम्, अर्जुनस्य, अर्जुन:)
(iv)	.... पुत्र:।	(गङ्गस्य, गङ्गया, गङ्गाया:)
(v)	.... नेता।	(देश:, देशम्, देशस्य)

उत्तरम्– (i) परिवारस्य (ii) गृहस्य (iii) अर्जुनस्य (iv) गङ्गाया: (v) देशस्य

LearnCBSE.in

(ख) (i) बालकः .... बहिः खेलति। (गृहम्, गृहेण, गृहात्)

(ii) सः .... आगच्छति। (विदेशः, विदेशात्, विदेशम्)

(iii) महिला .... जलम् आनयति। (कूपः, कूपम्, कूपात्)

(iv) अम्बा .... फलानि आनयति। (आपणात्, आपणम्, आपणस्य)

(v) नदी .... निःसरति। (पर्वतः, पर्वतात्, पर्वतम्)

उत्तरम्– (i) गृहात् (ii) विदेशात् (iii) कूपात् (iv) आपणात् (v) पर्वतात्

(2) **उचितं-विकल्पं चित्वा एकपदेन प्रत्येकं प्रश्नम् उत्तरत।** (उचित विकल्प चुनकर एक पद में प्रश्नों का उत्तर दीजिए। Pick out the correct option and write down the answers.)

(i) धीवरेण कीदृशम् अङ्गुलीयकं प्राप्तम्? (विशुद्धम्, रत्नशोभितम्, निःसंशयम्)

(ii) धीवरः मत्स्यविक्रयेण परिवारस्य किं करोति? (भरणम्, साधनम्, दानम्)

(iii) सः कस्य विक्रयाय अगच्छत्? (रोहितमत्स्यस्य, मांसस्य, अङ्गुलीयकस्य)

(iv) राज्ञः नाम कस्मिन् उत्कीर्णम्? (मध्ये, अभ्यन्तरे, अङ्गुलीयके)

(v) रक्षकाभ्याम् कः गृहीतः? (श्यालः मत्स्यमारकः, रोहितमत्स्यः)

उत्तरम्– (i) रत्नशोभितम्

(ii) भरणम्

(iii) अङ्गुलीयकस्य

(iv) अङ्गुलीयके

(v) मत्स्यमारकः

❑❑❑

LearnCBSE.in

*********** END **********